**AMAR UJALA MY CITY PAGE 5** 

### डीफार्मा-बीफार्मा पाठ्यक्रम शुरू करने का रास्ता साफ

लविवि : पीसीआई ने दी मंजूरी, शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया तेज माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीफार्मा और डीफार्मा पाठ्यक्रम शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पाठ्यक्रम संचालन को मंजूरी देते हुए लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फर्मास्यूटिकल साइंसेज पर मुहर लगा दी है। कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 से ही दोनों पाठ्यक्रमों में पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। डीफार्मा की 60 और बीफार्मा की 100 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। पाठ्यक्रम

सेल्फ फाइनेंस के अंतर्गत शुरू होंगे। पीसीआई की अनुमित के बाद विश्वविद्यालय अब शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेगा। शिक्षकों की भर्ती के लिए कार्य परिषद पहले ही मंजूरी दे चुका है। विवि प्रशासन पाठ्यक्रम शुरू होने से पहले शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करने का दावा कर रहा है। पीसीआई ने विवि को अनुमति इसी शर्त पर दी है कि विवि प्रशासन पीसीआई के मानकों के अनुरूप शिक्षकों और प्राचार्यों की नियुक्ति करेगा। लविवि की इंजीनियरिंग फैकल्टी के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की स्थापना की गई है, जो जानकीपुरम स्थित विवि के नवीन परिसर में संचालित किया जाएगा। रसायन विभाग के प्रो. खरे



नए रौक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए डीफार्मा की 60 और बीफार्मा की 100 सीटों पर दिए जाएंगे प्रवेश

#### दाखिले की प्रक्रिया पर चल रहा मंथन

दोनों पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया के लिए विवि प्रशासन का मंथन का दौर अंतिम स्तर पर है। बीफार्मा में दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाना है। फिलहाल ऐसा माना जा रहा है कि विवि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के जरिए इसमें दाखिला ले सकता है। काउंसिलिंग के दौरान छात्रों को लविवि का विकल्प भरना होगा। जबकि डीफार्मा में दाखिले के लिए विवि अपने स्तर से प्रक्रिया शुरू कर सकता है। जल्द ही इसमें दाखिले की प्रक्रिया पर निर्णय ले लिया जाएगा।

# डॉ. जैन इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य व शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इससे पहले डॉ. जैन वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉइर्स और बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड से भी सम्मानित हो चुके हैं। वे विवि के एकमात्र शिक्षक हैं जो छात्र संघ व शिक्षक संघ दोनों के अध्यक्ष और महामंत्री पद पर रह चुके हैं। वे 30 जून

को अधिवर्षिता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त

लखनऊ विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा

पाढ्यक्रम का स्ट्रक्चर तय कर दिया

है। बुधवार को कुलपति प्रो . आलोक

कुमार राय ने विज्ञान, वाणिज्य और

विधि विभागों के साथ बैठक कर इसे

अंतिम रूप दिया। साथ ही, सभी

विभागों से कोर्स के पेपर्स के नाम

देने के लिए गुरुवार तक समय

दिया है। शिक्षकों के मुताबिक,

चार वर्षीय स्नातक पादयक्रम में

इसमें दो सेमेस्टर पूरा करने पर

सर्टिफिकेट मिलेगा। चार सेमेस्टर

प्रति सेमेस्टर २४ क्रेडिट का होगा।

नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक

**JAGRAN CITY PAGE I** 

हो रहे हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

#### **NBT PAGE 4**

## एल्यू की पांच फैकल्टी की सीएमएस को ना

शिक्षुकों का तर्क, कॉमन मिनिमम सिलेबस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के खिलाफ अपना चार वर्षीय स्नातक कॉमन मिनिमम सिलेक्स (सीएमएस) को अपनाने से लखनऊ विश्वविद्यालय के पांचों संकाय ने इनकार कर दिया है। इनमें



🌪 फैकल्टी का मत है कि कई अहम पाद्यक्रम सामग्री सीएमएस से गायब हैं। कॉलेजों में बुनियादी ढांचे की कमी के चलते कॉलेजों में निर्धारित व्यावसायिक पाठयक्रमों को नहीं पढाया जा सकता है। -प्रो. आरके माहेश्वरी, डीन कॉमर्स फैकल्टी

🧪 हमें अपने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर

के शिक्षकों का कहना था कि सीएमएस पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के खिलाफ है। एनईपी विश्वविद्यालयों को बीसीआई और राष्ट्रीय कानून स्कूलों के अधिक स्वायत्तता प्रदान करता है। इसके पादयक्रम का पालन करना होगा। तहत विश्वविद्यालय सामाजिक, भौगोलिक -प्रो. सीपी सिंह, डीन, लॉ फैकल्टी खुद पाठ्यक्रम को डिजाइन करने के लिए है। शिक्षा संकाय के वरिष्ठ शिक्षक के अनुसार, सरकार

ने अपनी रिपोर्ट में दिखाया है कि सीएमएस को एलयु के

है। इनकी प्रक्रिया में शिक्षा में स्नातक के लिए पाठ्यक्रम

कॉमर्स विभाग ने पहले सीएमएस को शिक्षा संकाय से पारित किया गया है, लेकिन ऐसा नहीं

ही नहीं वना है, ऐसे में इस संकाय ने भी कर सकेगा। इस मसौदे को एलयू प्रशासन ने जब सभी

सीएमएस को लागू करने से मना कर दिया फैकल्टी में भेजा तो शिक्षकों ने खुला विरोध कर दिया।

ने भी इसे स्वीकार कर लिया था, लेकिन उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे स्वीकार करने का कोई कॉमर्स फैकल्टी की आम सभा की वैठक के मतलव नहीं है। इस मसौदे के साथ विश्वविद्यालयों में लागू होना था सीएमएस : उच्च शिक्षा विभाग ने अप्रैल में सीएमएस और विजनेस ऐडिमिनिस्ट्रेशन ने यह कहते 🛮 के मसौदे को राज्य के विश्वविद्यालयों को प्रसारित करने हुए इसे खारिज कर दिया कि पाठ्यक्रम के लिए कहा था, जिसमें कहा गया था कि पाठयक्रम संरचना में वेहद खामियां हैं। जबकि, शिक्षा में सीएमएस से तय 70 फीसदी हिस्सा रहेगा, जबकि संकाय में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए वोर्ड विवि 30 प्रतिशत अपनी सामग्री पाठ्यक्रम में शामिल

पाठ्यक्रम तैयार कर रहा एलयू एनबीटी, लखनऊः नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक पाठयक्रम

के तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बुधवार को विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के डीन और प्रमुखों की बैठक हुई। उम्मीद जताई जा रही है कि एक या दो हफ्ते में विश्वविद्यालय पाठयक्रम को अंतिम रूप दे देगा। इसी सिलसिले में मंगलवार को लिलत कला संकाय के साथ विवि प्रशासन की बैठक हुई थी। चार वर्पीय स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रम की संरचना को अंतिम रूप पिछले दिनों दी गई थी।

एलयू के वरिष्ठ शिक्षक के मुताबिक, हम अपना खुद स्नातक पाठ्यक्रमों तैयार करने की प्रक्रिया में हैं। राज्य सरकार के सामान्य न्यूनतम सिलेबस का पालन

नहीं करेंगे। एक बार सिलंबस बन मुताबिक, एक जाने के बाद सरकार को भेजा से दो हफ्ते में जाएगा । चूंकि, एलयू समेत सभी राज्य पाठ्यक्रम को दे विश्वविद्यालय स्वायत्त संस्थान हैं, इसलिए एनईपी 2020 के तहत अपनी देंगे अंतिम रूप

क्षमता, स्थानीय और क्षेत्रीय जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए खुद के पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम की सामग्री बनाते समय सभी विभाग प्रमुख पाठ्यक्रम के हरेक चरण में रोजगार की योग्यता सुनिश्चित कर रहे हैं। बीच में पाठ्यक्रम छोड़ते समय विद्यार्थी प्रमाण पत्र या डिप्लोमा के साथ रोजगार मिल सके । स्नातक पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट विकल्प तभी काम आता है, जब हर स्तर पर रोजगार देने का वादा किया जाता है। उन्होंने कहा कि हम स्नातक के एक साल पूरा होने पर सर्टिफिकेट कोर्स, दो साल के बाद डिप्लोमा और चार साल के कोर्स के बाद डिग्री की पेशकश करेंगे। एक अन्य वरिष्ठ शिक्षक ने बताया कि विद्यार्थियों को बहु-विषयक और विभिन्न प्रश्नपत्रों की पसंद की पेशकश की जाएगी। सह-पाठ्यचर्या और व्यावसायिक शिक्षा की सूची भी जारी करेंगे, जिसमें से छात्र

भविष्य के व्यवसायों के आधार पर शिक्षा चुन सकते हैं।

की बतौर निदेशक तैनाती हो गई है।

परीक्षा नियंत्रक ने दिए निर्देश, हार्ड कापी परीक्षा फल प्रकोष्ट को करानी होगी उपलब्ध, कई कालेतों ने अब तक पूरे नहीं किए कार्य

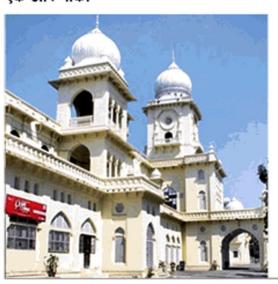
नए युजी कोर्स के लिए देने होंगे पेपरों के नाम

### 25 तक पोर्टल पर अपलोड करने होंगे आंतरिक परीक्षाओं के अंक

जास, लखनऊ : विश्वविद्यालय ने सत्र 2020-21 के स्नातक-परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के आंतरिक परीक्षाओं के अंक अपलोड करने का एक और मौका दिया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों को 25 जून तक अंक अपलोड करने होंगे। बुधवार को परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने निर्देश जारी कर दिए।

लविवि ने स्नातक व परास्नातक एवं डिप्लोमा आदि प्रथम सेमेस्टर (दिसंबर 2020) के ऐसे छात्र, जो कोविड-19 की वजह से आंतरिक परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे. उनकी परीक्षा फिर से कराकर 25 जुन तक अनिवार्य रूप से आंतरिक अंक पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा था, लेकिन कई कालेजों ने अब तक यह कार्य पुरा नहीं किया है। इसलिए उन्हें एक और मौका दिया गया है। पत्र में साफ कहा गया है कि

लखनऊ **2020-21 के स्नातक**-१०-२१ के **2020-21 एरास्नातक** प्रथम सेमेस्टर के अंक अपलोड करने का एक और मौका



25 जून तक अनिवार्य रूप से अंक अपलोड कर हार्ड कापी परीक्षा फल प्रकोष्ठ को उपलब्ध करानी होगी। इसके बाद आंतरिक अंक स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसकी जिम्मेदारी भी विभागाध्यक्षों एवं महाविद्यालयों

की होगी।

यूजी-पीजी परीक्षाओं पर आज आएगा फैसलाः लविवि यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर सहित बची हुई परीक्षाओं पर गुरुवार को फैसला लेगा। बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की

पूरा करने पर डिप्लोमा, छह सेमेस्टर पर डिग्री और आढ सेमेस्टर पर आनर्स की डिग्री दी जा सकेगी। नए पाढयक्रम में माइनर प्रोजेक्ट, रिसर्च मेथाडोलॉजी के साथ-साथ इंटर्नशिप करने व डिजरटिशन लिखने का भी अवसर दिया जाएगा। इसके अलावा करिकुलर कोर्स वोकेशनल कोर्स करने का भी अवसर होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि चार वर्षीय स्नातक पाद्यक्रम का स्ट्रक्चर बन गया है। विभागों से पेपर के नाम देने के लिए कहा गया है।

स्तर पर लागू किया जाना था।

पाठ्यक्रम वार काउंसिल ऑफ इंडिया

(वीसीआई) से शासित है। लिहाजा परिषद

के तहत ही पाठ्यक्रम चलाया जाएगा।

विज्ञान और कला संकायों ने अपनी-

अपनी वैठक में सीएमएस को इस आधार

पर खारिज किया कि यह उनके मौजुदा

पाठ्यक्रम से विपरीत है। विज्ञान और कला

और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार

सशर्त स्वीकृति दी थी और शिक्षा संकाय

वाद इसे अस्वीकार कर दिया गया। कॉमर्स

फैकल्टी के विभाग एप्लाइड इकोनॉमिक्स

अध्यक्षता में इस संबंध में बैठक हुई, जिसमें समिति की ओर से दिए गए सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। कुलपित का कहना है कि कुछ प्वाइंट हैं, जिन पर चर्चाओं के बाद गुरुवार को निर्णय लिया जाएगा।



डा . नीरज जैन का सम्मान करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • सौ.:स्वयं

#### डा. नीरज जैन को इंडिया बुक आफ रिकार्ड सम्मान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डा . नीरज जैन को इंडिया बुक आफ रिकार्ड से सम्मानित किया गया है। बुधवार को कुलपति प्रो . आलोक कुमार राय ने उन्हें मेडल और प्रशस्ति पत्र के देकर सम्मानित किया। डा. जैन शारीरिक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य हैं और 30 जून को अधिवर्षिता आयु पूरी कर सेवानिवृत हो जाएंगे।(जासं)

i-NEXT PAGE 4

#### लखनऊ विश्वविद्यालयः स्नातक की परीक्षाओं की तैयारी शुरू

## यूजी-पीजी परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न

**HINDUSTAN PAGE 6** 



लखनऊ| **कार्यालय संवाददाता** 

लखनऊ विश्वविद्यालय बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली (एमसीक्यू) पर शैक्षिक सत्र 2020-21 स्नातक द्वितीय और तृतीय वर्ष के साथ परास्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं कराएगा। विश्ववविद्यालय प्रशासन ने पिछले वर्ष भी तृतीय वर्ष की परीक्षाओं के लिए एमसीक्यू प्रश्न पत्र तैयार कराए थे।

लविवि को कोरोना महामारी की

वजह से शासन स्तर परछात्रों को प्रमोट करने के निर्देश मिल चुके हैं। वहीं द्वितीय और अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं कैसे कराए, यह विश्वविद्यालय पर ही छोड़ा गया है। शासन की ओर से परीक्षाएं कम समय और एमसीक्यू आधारित करने का सुझाव भी दिया गया है। जिस पर अमल करते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने एमसीक्यू प्रणाली पर ही परीक्षाएं आयोजित करने का मन बना लिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय में तैयारी भी हो गई है।

### एक प्रश्न, एक अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार एमसीक्यू आधारित प्रश्न पत्र में एक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित होगा। परीक्षा कोविड नियमों के पालन के साथ करायी जाएगी। इसी के आधार पर परीक्षा में छात्र–छात्राओं के बैटने का सिटिंग प्लान बनाया जा रहा है।

#### परीक्षा को लेकर हुई बैठक

कोरोना महामारी को लेकर परीक्षा कराना बड़ी चुनौती है। लखनऊ विश्वविद्यालयं के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहाँ कि परीक्षा के सम्बंध में लगातर मीटिंग हो रही है। बुधवार को भी मीटिंग हुई है। शुक्रवार शाम तक परीक्षा को लेकर सभी चीजें साफ हो जाएगी। छात्रों के हित को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन कदम उटा रहा है। हमें कोरोना महामरी को देखते हुए छात्रों की शिक्षा भी देखनी है। इसी लिहाज से कई निर्णय लिए जा रहे हैं।

परीक्षा में प्रश्नपत्र को हल करने के लिए एक से डेढ घंटे का समय छात्रों को दिया जा सकता है। परीक्षा के समय को लेकर परीक्षा विभाग द्वारा अभी निर्णय किया जाना बाकी है।

शासन से मिले निर्देशों के अनुसार जिन छात्रों की परीक्षा प्रथम वर्ष की कराई गई थी उन्हें तो दूसरे वर्ष में प्रोन्नत

एलयू शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ नीरजें जैन को इंडिया बुके ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने उन्हें मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति कक्ष में सम्मानित किया। डॉ नीरज जैन एकमात्र ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ और शिक्षक संघ दोनों में महामंत्री और अध्यक्ष के पदों को सुशोभित किया है। इसी के लिए डा. नीरज जैन का इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है।

शिक्षक के नाम रिकॉर्ड

किया जा सकता है लेकिन जहां पर पहले वर्ष की परीक्षा नहीं हो पाई है वहां दूसरे व तीसरे वर्ष की परीक्षा होनी है। चुंकि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन में दूसरे व तीसरे वर्ष की परीक्षा नहीं हुई थी तो इस वर्ष स्नातक के दोनों वर्ष की परीक्षा होनी है।

## 25 तक अपलोड करें इंटर्नल के मार्क्स

#### एलयू ने विभागों एवं कॉलेजों को दिया एक और मौका

#### lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 June) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2020-21 के स्नातक-परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के आंतरिक परीक्षाओं के अंक अपलोड करने का एक और मौका दिया है. विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों को 25 जून तक अंक अपलोड करने होंगे. बुधवार को परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने निर्देश जारी कर दिए

एग्जाम में नहीं शामिल हो सके एलय ने स्नातक व परास्नातक एवं

### यूजी-पीजी एग्जाम पर फैसला आज

एलयू यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर सहित बची हुई परीक्षाओं पर गुरुवार को फैसला लेगा. बुंधवार को वीसी प्रों. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में इस संबंध में बैठक हुई, जिसमें समिति की ओर से दिए गए सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया. कुलपति का कहना है कि कुछ प्वाइंट हैं, जिन पर चर्चाओं के बाद गुरुवार को निर्णय लिया जाएगा.

आंतरिक अंक पोर्टल पर अपलोड करने

के लिए कहा था, लेकिन कई कॉलेजों

ने अब तक यह कार्य पूरा नहीं किया

डिप्लोमा आदि प्रथम सेमेस्टर (दिसंबर 2020) के ऐसे छात्र, जो कोविड-19 की वजह से आंतरिक परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे, उनकी परीक्षा फिर से कराकर 25 जून तक अनिवार्य रूप से

है, इसलिए उन्हें एक और मौका दिया गया है. पत्र में साफ कहा गया है कि 25 जुन तक अनिवार्य रूप से अंक अपलोड कर हार्ड कापी परीक्षा फल प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराना होगा. इसके बाद आंतरिक अंक स्वीकार नहीं किए जाएंगे. इसकी जिम्मेदारी भी विभागाध्यक्षों एवं

महाविद्यालयों की होगी.

**RASHTRIYA SAHARA PAGE 5** 

### इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से डा. नीरज जैन सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डा. नीरज जैन को इंडिया वुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। लविविव के कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर कुलपित कक्ष में सम्मानित किया। ज्ञात हो कि डा. नीरज जैन द्वारा पूर्व में वर्ल्ड वुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वेस्ट आफ इंडिया रिकॉर्ड द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। डा. जैन शारीरिक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य हैं और 30 जून को सेवानिवृत हो रहे हैं।

TOI PAGE 2 & 3

### **Teaching posts: LU cancels hiring** advertisement, to issue fresh one Teachers begin brainstorming

#### Selection To Be Based On **New Rules**

TIMES NEWS NETWORK Lucknow: Lucknow: Luck-

now University has decided to cancel the advertisement for recruitment on 180 vacant posts of teachers published on September 16 last year and will re-advertise the posts soon. Now, the selections will be done as per the new selection guidelines issued by the chancellor of state universities and UP governor Anandiben Patel. The move has come as a

disappointment for 5,024 candidates who had applied for the vacant posts and were waiting desperately for nine months for the recruitment to begin. However, the relief for such candidates who had applied and paid Rs 1,500 as registration fee is that they will not have to apply again. The vacancies in LU include that of assistant professors, associate professors and professors. The highest number of vacancies and applications have come for assistant

The decision also means that students will have to wait at least for six more months before the selection process is complete and the teachertaught ratio in LU comes on a par with the UGC prescribed 1:20. Of the 516 permanent teaching posts in LU, 180 are lying vacant. At present, there are 17,054 students in LU and the teacher-student ratio is

The move will also derail LU's plans of reassessment by the National Accreditation and Assessment Council (NAAC). In the past assessment, LU got a B grade mainly because many teachers' posts were lying vacant. As a result, the university had decided to first fill all the vacant posts and then go for NAAC assessment to get a better "We decided to re-adverti-

se the posts because the selection process at all levels has changed," said LU vice-chancellor Prof AK Rai. LU spokesperson Dur-

gesh Srivastava said, "After the LU executive council adopted the new rules, it was decided to issue the advertisement again for the vacant posts of assistant professors, associate professors and professor. The window in LU's recruitment portal to submit applications will be opened for some time, during which more candidates can apply. Candidates who applied ear-**HINDUSTAN TIMES PAGE 4** 

#### on new syllabi for UG courses TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University on Wednesday began drafting syllabi for the four-year undergraduate courses in accordance with the New Education Policy. The structure of the new UG courses was finalised by LU on Tuesday.

An online meeting of deans of faculties and heads of departments to draft the syllabi was held on Wednesday. The new syllabi is expected to be finalised by the end of June so that all approvals can be taken before the new session starts in September, said teachers who attended the meeting.

The syllabi will be discussed and approved by the board of studies of every department. Next, it will be placed for approval in the board of the faculty of the department concerned. Finally, the syllabi will be put before the academic co-

lier will not have to apply again. They will get an opportunity to update their achievements such as the publication of new research papers." According to the new rules, an applicant for the post

#### **Focus on interdisciplinary learning**

The four-year UG structure will comprise eight semesters. Besides two major and a minor subject, the new syllabi will include vocational and co-curricular subjects. The major subject will be of the particular stream-art, science and commerce-and the minor from another stream to promote interdisciplinary learning. Vocational subjects will be employment-oriented. The fifth semester will have a compulsory provision of internship for hands-on-training. The last two semesters will be dedicated to research and specialisation on the core subject.

uncil, the apex academic body of LU, for approval. Once approved at all levels,

the new four-year UG structure, along with the syllabi, will be implemented in LU and 524 affiliated colleges in Lucknow and four districts: Rae Bareli, Hardoi, Sitapur and Lakhimpur Kheri. More than 2 lakh students will benefit from the "While making the course

content, we will ensure employability at every step so that even if the student leaves the of the assistant professor will

have to clear three rounds: a scrutiny based on academic performance index (API), a written test and a classroom presentation and finally interview. The criterion of API course midway, she/he can get employment opportunities after exit," said a dean.

"A letter has been sent to all department to make syllabi in Prayagraj and Sultanpur are accordance with NEP," said LU spokesperson Durgesh Sriva-Teachers said since LU is

an autonomous institution it is not bound to accept the syllabi recommended by the government. Instead, it can have its syllabi focussing on its strength and regional needs as recommended in the NEP 2020.

entry level was based on API and interview. The selection rules for associate professor and professor have also been changed slightly. **PIONEER PAGE 4** 

calculation has also been

changed. Earlier, selection at

### Varsities, teachers reach out to Covid orphans

Lucknow: Not only the go-

vernment but universities have also come forward in taking up the responsibility of children orphaned by Covid-19. The Lucknow University alone has identified 75 children who lost both the parents, or guardians to Co-Drawing inspiration

from Chief Minister Yogi Adityanath, LU vice-chancellor Prof Alok Rai said,

#### LU TAKES LEAD "The CM has inspired many

teachers who have come forward to help children. Such welfare schemes have made UP ahead of other states." According to govern-

ment officials, teachers from other districts like Varanasi, also bearing the expense of over 1,000 children and have

taken responsibility of their education. Terming the CM a "messiah of orphaned kids", Sushil Singh, a faculty member at Ramswaroop University said, "On the lines of the government's Bal Sewa Scheme, our organisation has

identified 50 children orpha-

ned due to Covid-19. We will

deprived of education." For Rakesh Pandey, a primary school teacher in Var-

adopt orphan children also comes from the CM. "There is no greater religion than helping someone who is in misery. Over 50 children have been identified so far whose parents succumbed to the virus," said Pandey who has helped 500 destitute children in the last two years Shailendra Chaturvedi, a

teacher at Government Girls' Inter College, Sultanpur, said: "All of us are constantly in touch with NGOs and identifying such children in the district. So far, 20 children have been identifi-For the systematic up-

bringing and education of children who lost both the parents due to Covid, the UP government had announced the Mukhyamantri Bal Seva Yojana, which entails a monthly stipend of Rs 4,000 for each child and state funding of their education and marriage. Further supporting the

orphan children, the government made a provision of their free education at Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas and Atal residential

#### Lucknow University to take responsibility of 70 Covid orphans HT Correspondent

LUCKNOW: The Lucknow University vice-chancellor and teachers have adopted 70 children who lost both parents/earn-

letters@htlive.com

Kumar Rai said, "Many LU teachers have come forward to help such unfortunate children." A state government release stated that teachers in Uttar Pradesh have come forward in a big way to take the responsibility of children orphaned due to Cov-

id-19. Rakesh Pandey, who works as an assistant teacher in the primary school of Varanasi, He said, "There is no greater who is in misery. Over 50 chil-

has helped about 500 destitute children financially in the last two years. religion than helping someone dren have been identified so far who lost their parents to Covid-19. "Shailendra Chaturvedi, a teacher of Government Girls Inter College, Sultanpur, said,

"All of us are constantly in touch

with NGOs and identifying such

religion than helping someone who is in misery. ing parent to Covid-19. Lucknow University vice-chancellor Alok Over 50 children have been identified so far who lost their

parents to Covid-19. ALOK KUMAR RAI, LUV-C children in the district. So far, 20 children have been identified," adding, "Mukhyamatri Bal Seva

Yojana is a meaningful initiative that CM Yogi Adityanath launched for children, which will directly benefit many orphans in the state.' Apart from teachers, many other government and non-government organisations in the

state are putting in efforts to

identify Covid-19 orphans and

take their responsibilities.

## There is no greater लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ

के पूर्व अध्यक्ष डॉ नीरज जैन को इंडिया बुक ऑफरिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बुधवार को उन्हें मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति कक्ष में सम्मानित किया। ज्ञात हो कि डॉ नीरज जैन को पूर्व में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और बेस्ट आफ इंडिया

रिकॉर्ड से भी सम्मानित किया जा

चुका है। डा जैन शारीरिक शिक्षा

विभाग में सहायक आचार्य हैं और

30 जून को अधिवर्षिता आयु पूरी कर

सेवानिवृत हो रहे हैं। डॉ नीरज जैन बधाई दी है।

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



लखनक विश्वविद्यालय छात्र संघ और शिक्षक संघ दोनों में महामंत्री और अध्यक्ष के पदों को सुशोभित किया है। कुलपित प्रो आलोक कुमार राय और विश्वविद्यालय के तमाम प्रशासनिक अधिकारियों ने डा जैन

को उनकी इस उपलब्धि के लिए

#### डॉ. नीरज इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित

**AMRIT VICHAR PAGE 2** 

#### लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक

संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो . आलोक कुमार राय ने उन्हें मंडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति कक्ष में सम्मानित किया। डॉ. जैन द्वारा पूर्व में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और बेस्ट आफ इंडिया रिकॉर्ड द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। डा. जैन



शारीरिक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य हैं और 30 जून को अधिवर्षता आयु

पूरी कर सेवानिवृत हो रहे हैं। डॉ. नीरज एकमात्र ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ और शिक्षक संघ दोनों में महामंत्री और अध्यक्ष के पदों पर आसीन रहें। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और विश्वविद्यालय के तमाम प्रशासनिक अधिकारियों ने डा . जैन को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।